पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार

# "राष्ट्रीय हिमालयी अध्ययन मिशन (NHMS)"

## हिमालयन रिसर्च फैलोशिप हेतु प्रस्तावों का आमंत्रण (2018–19)

हिमालय भूमण्डल में महत्वपूर्ण एवं अति संवेदनशील पहचान रखता है जो प्राकृतिक व मानव जनित कारणों के कारण कई चुनौतियों का सामना कर रहा है। इस विशिष्टता के कारण इस पर्वत श्रृंखला में अनुसंधान और विकास के प्रयासों में इस क्षेत्र के सत्त विकास सुनिश्चित करने के लिए विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। प्रचलित पर्यावरण की समस्याओं के लिए पर्याप्त आंकड़े जुटाने के साथ उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान को बढावा देकर समाधान खोजना समय की मॉग है। अपनी पृथकता और न्यून आवागमन के कारण भारतीय हिमालय क्षेत्र ऐसे युवा प्रतिभाओं से वंचित रहता है जिससे गुणवत्ता पूर्ण अनुसंधान के क्षेत्र में एक बड़ा अंतर पैदा होता है। उपरोक्त कमी को स्वीकार करते हुए हिमालय रिसर्च फैलोशिप योजना के माध्यम से हिमालय अध्ययन पर राष्ट्रीय मिशन इस अंतर को भरने और युवा प्रशिक्षित हिमालयी पर्यावरण प्रबंधकों, परिस्थिति और सामाजिक–अर्थशास्त्रियों का एक काडर बनाने और भौतिक, जैविक एवं सामाजिक आर्थिकी के बारे हिमालयी पर्यावरण और विकास के प्रबंधकीय और मानवीय पहलुओं की जानकारी जुटाने में मदद करना चाहता है। मिशन के अर्न्तगत वित्तपोषित की जाने वाली **हिमालयन रिसर्च फैलोशिप** को निम्न सात व्यापक क्षेत्रों में केन्द्रित किया गया है:– (1) **जल संसाधन प्रबंधन** (Water Resources Management); (2) **आजीविका विकल्प एवं रोजगार सृजन** (Livelihood Options and Employment Generation); (3) **जैव विविधता संरक्षण एवं प्रबन्धन** (Biodiversity Conservation and Management); (4) **कौशल विकास एवं क्षमता निर्माण** (Skill Development and Capacity Building); (5) **ढॉचागत विकास** (Infrastructure Development); (6) **भौतिक संपर्क** (Physical Connectivity); एवं (7) **खतरनाक पदार्थो का प्रबंधन** (Handling of Hazardous Substances)। हिमालयी रिसर्च फैलोषिप हेतु शोध प्रस्ताव उपरोक्त व्यापक क्षेत्रों में से चयनित किये जा सकते है।

हिमालय रिसर्च फैलोशिप योजना के तहत विश्वविद्यालयों/संस्थानों वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जायेगी। यह षोधवृत्तियॉ भारतीय हिमालयी क्षेत्र में काम कर रहे विभिन्न विश्वविद्यालयों/संस्थानों के माध्यम से क्रियान्वित की जायेगी। अतः हिमालयी क्षेत्र की विशेष अनुसंधान समस्याओं पर काम करने के लिए देश से उपलब्ध सर्वोत्तम प्रतिभाओं को आकर्षित करने में सफल हाने की कल्पना की जाती है। **अनुसूचित जाति/जनजाति के लाभार्थियों हेतु प्रस्तुत शोध प्रस्तावों को प्राथमिकता दी जायेगी और साथ ही हिमालयी क्षेत्र में महिलाओं पर केन्द्रित प्रस्तावों को भी विषेश रूप से प्रोत्साहित किया जायेगा।**

**आवेदन हेतु अर्हताऍ–:** भारतीय हिमालय क्षेत्र मे कार्य कर रहे मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों/संस्थानों के प्रमुखों से निम्न दो स्तरों पर हिमालयन रिसर्च फैलोशिप शुरू करने के लिए प्रस्ताव आमंत्रित किये जाते है। (i) हिमालयन रिसर्च एशोसिएटस (NMHS-HRA) और (ii) हिमालय जूनियर रिसर्च फैलोशिप (NMHS-HJRF)। नियम और शर्ते पर्यावरण, वन एंव जलवायु परिवर्तन मंत्रालय/डीएसटी/यूजीसी के मानदण्डों के अनुसार होंगे। प्रत्येक फैलोशिप के अलावा प्रति वर्ष 1.5 लाख आकस्मिक अनुदान के रूप में देय होगा। इसके अलावा प्रत्येक संस्थान के लिए कुल सहमत अनुदान का 10 प्रतिशत फैलोशिप के प्रबंधन के खर्चो को पूरा करने के लिए स्वीकार्य होगा। वित्तीय वर्ष 2017–18 हेतु 100 (**NMHS-HJRF**) और 25 (NMHS-HRA) अवार्ड प्रदान किये जाने प्रस्तावित हैं। इस योजना की मुख्य विशेषताऐं, विषयगत क्षेत्रों की पहचान तथा दिशानिर्देशों हेतु पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के (www.moef.nic.in) तथा गो0 ब0 पन्त हिमालय पर्यावरण एंव विकास संस्थान की वेबसाईट (www.gbpihed.gov.in) पर उपलब्ध रहेगी।

**फैलोशिप संख्या और अवधिः** किसी भी संस्था के लिए फैलोशिप की अधिकतम संख्या 5 जूनियर रिसर्च फैलो और 02 रिसर्च एशोसिएट से अधिक नहीं होगी। फेलोशिप अधिकतम 03 वर्ष की अवधि के लिए प्रदान की जायेगी।

**आवेदन कहॉ तथा कैसे करें:** प्रस्ताव की पॉच प्रतियॉ जिसमें (1) विश्वविद्यालय का नाम/संस्थान का नाम (2) संस्थान का उद्देष्य और परिचालन क्षेत्र (3) विस्तृत औचित्य के साथ उद्देश्य सहित विषयगत क्षेत्र जो फैलोशिप के क्षेत्रों को समृद्धि करते है (4) अपेक्षित फैलोशिप की संख्या और वित्तीय सहायता का ब्यौरा। (5) कार्यान्वयनः दृष्टिकोण, गतिविधियॉ/कार्यघटक समयसीमा का पालन और व्युत्पत्ति तथा फैलोशिप के कार्यान्वयन के लिए NHMS नोडल अधिकारी ई0 किरीट कुमार, वैज्ञानिक–जी एवं नोडल अधिकारी एनएमएचएस, पीएमयू जीबीपीआईएचईडी, गो0 ब0 पन्त हिमालय पर्यावरण एंव विकास संस्थान कोसी कटारमल अल्मोड़ा, उत्तराखण्ड–263 643 को स्पीड–पोस्ट द्वारा भेजें तथा लिफाफे के उपर "**एनएमएचएस फैलोशिप हेतु प्रस्ताव**" अवश्य लिखकर भेंजे। प्रस्ताव की एक सॉफ्ट कापी ई–मेल (nmhspmu2016@gmail.com) तथा प्रतिलिपि डा0 सुब्रता बोस, निदेषक, पर्वतीय प्रभाग (मॉउनटेन डिविजन) एमओईएफ एवं सीसी, नई दिल्ली को ईमेल (subrata.bose@nic.in) पर भी भेजी जानी चाहिए।

प्रस्ताव प्राप्त करने की अंतिम तिथि 22 अक्टूबर, 2018 होगी।

प्रशासनिक अधिकारी
91 5962 241015